.. madanamohanAShTakam ..

॥ मदनमोहनाष्टकम् ॥

जय शङ्खगदाधर नीलकलेवर पीतपटाम्बर देहि पदम् ।
जय चन्दनचर्चित कुण्डलमण्डित कौस्तुभशोभित देहि पदम् ॥ १ ॥
जय पङ्कजलोचन मारविमोहन पापविखण्डन देहि पदम् ।
जय वेणुनिनादक रासविहारक वङ्किम सुन्दर देहि पदम् ॥ २ ॥
जय धीरधुरन्धर अद्भुतसुन्दर दैवतसेवित देहि पदम् ।
जय विश्वविमोहन मानसमोहन संस्थितिकारण देहि पदम् ॥ ३ ॥
जय भक्तजनाश्रय नित्यसुखालय अन्तिमबान्धव देहि पदम् ।
जय दुर्जनशासन केलिपरायण कालियमर्दन देहि पदम् ॥ ४ ॥
जय नित्यनिरामय दीनदयामय चिन्मय माधव देहि पदम् ।
जय पामरपावन धर्मपरायण दानवसूदन देहि पदम् ॥ ५ ॥
जय वेदविदांवर गोपवधूप्रिय वृन्दावनधन देहि पदम् ।
जय सत्यसनातन दुर्गतिभञ्जन सज्जनरञ्जन देहि पदम् ॥ ६ ॥
जय सेवकवत्सल करुणासागर वाञ्छितपूरक देहि पदम् ।
जय पूतधरातल देवपरात्पर सत्त्वगुणाकर देहि पदम् ॥ ७ ॥
जय गोकुलभूषण कंसनिषूदन सात्वतजीवन देहि पदम् ।
जय योगपरायण संसृतिवारण ब्रह्मनिरञ्जन देहि पदम् ॥ ८ ॥
॥ इति श्रीमदनमोहनाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated May 1, 2010
http://sanskritdocuments.org